गोबर से पैसे कमाएं .... पर्यावरण बचायें...

॥ गोमय वसते लक्ष्मी ॥

वेदों में कहा है कि गाय के गोबर में लक्ष्मी का वास होता है

स्वच्छ भारत

माननीय प्रधानमंत्री जी का

खुले में शौच मुक्त भारत का साकार हुआ सपना

अब बारी है गोबर मुक्त गॉव हो अपना ....

पशुधन, किसान, धरती व पर्यावरण बचाने एवं गोबर के उचित प्रबंधन हेतु चलाया जा रहा जनस्वछता कार्यक्रम

ग्रामीण गोबरधन योजना में गोबर से अनेक उत्पाद जैसे:- गोबर के गमले, गोबर गैस, जैविक खाद, गोबर लकड़ी, मच्छर कुंडली, केंचुआ खाद, जीवामृत आदि बना कर ग्रामीण जीवन में आर्थिक, सामाजिक उन्नति व उन्नत खेती तथा पर्यावरण सुरक्षा, महिला शक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा हेतु कार्यक्रम तैयार किया गया है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ गृहणी, स्वच्छ प्रदेश से स्वच्छ भारत का निर्माण करना है।

देशी गाय

गोमय / गोबर

जब दूध की बह रही है धारा, तो गोबर भी नहीं रहेगा कमाई से न्यारा

इस योजना का लाभ व्यक्तिगत, सामुदायिक, स्वयं सहायता ग्रुप, एन. जी. ओ., गौशाला आदि ले सकते है। अत: इस योजना में आप हमारे माध्यम से एक लघु उद्योग ईकाई स्थापित करके पैसे कमा सकते है।

विस्तृत जानकारी हेतु संपर्क करें

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय

जबलपुर (मध्यप्रदेश)